

कार्यालय आदेश सं.Office Order No. HO/069/004

दिनांक / Date: 29.03.2025

विषय - संबद्ध पक्षकार संव्यवहार नीति (संशोधित)

Sub: Related Party Transactions Policy (Revised)

संदर्भ - कार्यालय आदेश सं. प्र.का/069/003 दिनांक 14.01.2020 (यथा संशोधित)

Ref: Office Order No. HO/069/003 dated 14.01.2020 (as amended)

-00o-

## 1.0 परिचय / INTRODUCTION

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("कंपनी") को यह अभिज्ञात है कि कुछ संबंधों में हितों का संभावित या वास्तविक संघर्ष हो सकता है जिससे ये प्रश्न उत्पन्न हो सकते हैं कि ऐसे संबंधों से जुड़े संव्यवहार कंपनी एवं उसके पण्डारकों के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप हैं या नहीं।

Bharat Electronics Limited (the "Company") recognizes that certain relationships can present potential or actual conflicts of interest and may raise questions about whether transactions associated with such relationships are consistent with Company's and its stakeholders' best interests.

कंपनी को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करना होगा कि संबद्ध पक्षकार के कतिपय संव्यवहार (नीचे दी गई परिभाषा के अनुसार) कानून और लेखांकन की सख्त अपेक्षाओं, जो कंपनी पर लागू होते हैं, के अनुसार व्यवस्थित और प्रकट किए जाते हैं।

The Company must specifically ensure that certain Related Party Transactions (as defined below) are managed and disclosed in accordance with the strict legal and accounting requirements to which the Company is subject.

अतः, संबद्ध पक्षकार संव्यवहार की समीक्षा और अनुमोदन संबंधी इस संशोधित नीति को कंपनी के निदेशक मंडल ("बोर्ड") द्वारा ऐसी कार्यप्रणालियों को तय करने के लिए अपनाया गया है जिनके अंतर्गत कुछेक संव्यवहारों की समीक्षा, अनुमोदन या अनुसमर्थन करना आवश्यक है।

Therefore, this Revised Policy regarding the review and approval of Related Party Transactions has been adopted by the Company's Board of Directors ("the Board") in order to set forth the procedures under which certain transactions must be reviewed and approved or ratified.

सेबी (सूचीकरण की देयताएँ और प्रकटीकरण की आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 में संबंधित पक्षकारों के संव्यवहारों की महत्ता और संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार के संचालन पर एक नीति तैयार करना आवश्यक बनाया गया है। अपनी कार्पोरेट अभिशासन पद्धतियों के भाग के रूप में, कंपनी के मंडल ने संबद्ध पक्षकार संव्यवहार के संबंध में निम्नलिखित संशोधित नीति एवं प्रक्रियाओं को अपनाया है -

The SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015 mandates formulation of a policy on Materiality of transactions with Related Parties and dealing with Related Party Transactions. As part of its corporate governance practices, the Board of the Company has adopted the following Revised policy and procedure with regard to Related Party Transactions.

## 2.0 अनुप्रयोज्यता एवं प्रभावी तिथि / APPLICABILITY AND EFFECTIVE DATE

यह संशोधित नीति लागू विधि एवं विनियमों के आधार पर कंपनी और उसके संबंधित पक्षकारों के बीच के संव्यवहार को विनियम हेतु दिनांक 12 दिसंबर 2024 के प्रभाव से कंपनी पर अनुप्रयुक्त होगी।

The Revised Policy will be applicable to the Company with effect from 12<sup>th</sup> December 2024 to regulate transactions between the Company and its Related Parties based on the applicable laws and regulations.

### 3. प्रयोजन / PURPOSE

यह नीति सेबी (सूचीकरण की देयताएँ और प्रकटीकरण की आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 (यथा संशोधित) की अपेक्षाओं पर आधारित है और इसमें कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 के प्रावधानों सहित, उसके लागू अन्य प्रावधानों का भी पालन करना आवश्यक होता है जिसमें ऐसे संव्यवहारों का वर्गीकरण किया गया है जिनमें नीचे उल्लिखित पैरा 5.2 में उल्लिखितानुसार लेखापरीक्षा समिति, मंडल और शेयरधारकों के अनुमोदन की आवश्यकता होती है और जो कंपनी और उसके संबंधित पक्षकारों के बीच के संव्यवहरों का अभिशासन और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना आशयित है।

This Policy is framed based on the requirements of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (as amended) and also to comply with the applicable provisions of the Companies Act, 2013 including provisions of Section 188, categorizing the transactions which require the approval of Audit Committee, Board & Shareholders as mentioned in para 5.2 below and is intended to ensure the governance and reporting of transactions between the Company and its Related Parties.

### 4. परिभाषाएँ / DEFINITIONS

"अधिनियम" से तात्पर्य कंपनी अधिनियम 2013 और उसके अधीन बनाए गए नियमों से है जिसमें उनके किसी संशोधन, सुधार, स्पष्टीकरण, परिपत्र भी शामिल होंगे।

"Act" shall mean the Companies Act 2013 and the Rules framed thereunder, including any modifications, amendments, clarifications, circulars thereof.

अधिनियम की धारा 188(1) स्पष्टीकरण (बी) के अनुवर्तन में "स्वतंत्र संव्यवहार आधार" से तात्पर्य दो संबद्ध पक्षकारों के बीच के ऐसे संव्यवहार से है जो ऐसे किया जाता है मानो एक दूसरे से संबद्ध न हो, ताकि हितों का कोई संघर्ष न हो। स्वतंत्र संव्यवहार आधार तय करने के लिए आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन अंतरण कीमत निर्धारण के प्रावधानों से दिशा-निर्देश प्राप्त किए जाएं।

"Arm's Length basis" in pursuance of Explanation (b) to Section 188 (1) of the Act means a transaction between two related parties that is conducted as if they were unrelated, so that there is no conflict of interest. For determination of Arm's Length basis, guidance may be taken from provisions of Transfer Pricing under Income Tax Act, 1961.

अधिनियम की धारा 2(6) के अनुवर्तन में, "सहयोगी कंपनी" से तात्पर्य ऐसी किसी भी अन्य कंपनी से है जिसमें कंपनी पर उल्लेखनीय प्रभाव है लेकिन जो कंपनी की समनुषंगी कंपनी नहीं है जिसका ऐसा प्रभाव न हो और जिसमें संयुक्त उद्यम कंपनी भी शामिल है।

"Associate Company" in pursuance of Section 2 (6) of the Act means any other company, in which the Company has a significant influence, but which is not a Subsidiary company of the Company having such influence and includes a joint venture company.

स्पष्टीकरण- इस खंड के प्रयोजनार्थ-(क) "महत्वपूर्ण प्रभाव" पद से आशय कुल मतदान शक्ति के कम से कम बीस प्रतिशत का नियंत्रण या किसी करार के तहत कारोबारी निर्णयों में नियंत्रण या भागीदारी से है; (ख) "संयुक्त उद्यम" पद से आशय ऐसे संयुक्त प्रबंध से है जिसमें ऐसे पक्षकार जिनका प्रबंध का संयुक्त नियंत्रण है को व्यवस्था की निवल परिसंपत्तियों का अधिकार है।

Explanation: For the purposes of this clause- (a) the expression "significant influence" means control of at least twenty percent of total voting power, or control of or participation in business decisions under an agreement; (b) the expression "joint venture" means a joint arrangement

whereby the parties that have joint control of the arrangement have rights to the net assets of the arrangement.

"लेखापरीक्षा समिति" या "समिति" से तात्पर्य कंपनी के निदेशक मंडल की "लेखापरीक्षा समिति" से है।

**"Audit Committee"** or **"Committee"** means **"Audit Committee"** of the Board of Directors of the Company.

"निदेशक मंडल" या "मंडल" से तात्पर्य कंपनी के निदेशक मंडल से है।

**"Board of Directors"** or **"Board"** means the Board of Directors of the Company.

"सीपीएसयू" से तात्पर्य केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उपक्रम से है।

**"CPSU"** means Central Public Sector Undertaking.

"कंपनी" से तात्पर्य भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से है।

**"Company"** means Bharat Electronics Limited (BEL)

"सरकारी कंपनी" से तात्पर्य कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) के अधीन सरकारी कंपनी के रूप में परिभाषित और समय-समय पर यथा संशोधित कंपनी से है।

**"Government Company"** means a Company defined as Government Company under Section 2 (45) of the Companies Act, 2013 and as amended from time to time.

"प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक" से तात्पर्य कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(51) तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों में यथा परिभाषित समय-समय पर यथा संशोधित "प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक" से है।

**"Key Managerial Personnel"** or **"KMP"** shall mean **"Key Managerial Personnel"** as defined in section 2(51) of the Companies Act, 2013 and as amended from time to time.

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(51) के अधीन उल्लिखित "प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक" निम्नानुसार हैं-

**"Key Managerial Personnel"** under section 2(51) of the Companies Act, 2013 are:

- (i) मुख्य कार्यपालन अधिकारी या प्रबंध निदेशक या प्रबंधक, यानी बीईएल के संबंध में सीएमडी; the Chief Executive Officer or the managing director or the manager (i) viz., CMD i.r.o BEL;
- (ii) कंपनी सचिव; the Company Secretary;
- (iii) पूर्णकालिक निदेशक; the Whole-time Director;
- (iv) मुख्य वित्तीय अधिकारी, यानी बीईएल के संबंध में सी.एफ.ओ. के रूप में कार्य करने के लिए बोर्ड द्वारा प्राधिकृत कार्यपालक/ निदेशक; तथा the Chief Financial Officer viz., an executive / Director authorized by the Board to act as CFO i.r.o of BEL; and
- (v) अन्य कोई मनोनीत अधिकारी। such other officer as may be prescribed.

"महत्वपूर्ण संबंधित पक्षकार लेनदेन" से आशय ऐसे लेनदेन से है जो संबंधित पक्षकार के साथ किया जाता है यदि ऐसे लेनदेन / लेनदेन किसी वित्तीय वर्ष के दौरान व्यक्तिगत रूप से किए जाते हैं या पिछले लेनदेन के साथ किए जाते हैं, जो रु.1,000 करोड़ या कंपनी के अंतिम लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार कंपनी के वार्षिक समेकित कारोबार के 10% से अधिक हैं, इनमें से जो भी कम हो।

**“Material Related Party Transaction”** means a transaction with a Related Party if the transaction/ transactions to be entered into individually or taken together with previous transactions during a financial year, exceeds Rs1,000 Crore or 10% of the annual consolidated turnover of the Company as per the last audited financial statements of the Company, whichever is lower.

ब्रांड उपयोग या रॉयल्टी के लिए संबंधित पक्षकार को भुगतान से संबंधित लेनदेन के मामले में, इसे महत्वपूर्ण माना जाएगा, यदि किसी वित्तीय वर्ष के दौरान व्यक्तिगत रूप से किए जाने वाले लेनदेन या पिछले लेनदेन के साथ लिए जाने हैं, तो कंपनी के अंतिम लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार कंपनी के वार्षिक समेकित कारोबार के 5% से अधिक है।

In case of transaction involving payment to a Related Party for brand usage or royalty, it will be considered material, if the transaction(s) to be entered into individually or taken together with previous transactions during a financial year, exceed 5% percent of the annual consolidated turnover of the Company as per the last audited financial statements of the Company.

#### **“महत्वपूर्ण आशोधन”**

कंपनी के संबंध में संबंधित पक्षकार लेनदेन के महत्वपूर्ण आशोधन से आशय ऐसे विद्यमान पक्षकार लेनदेन से है जिसमें, यथास्थिति, लेखापरीक्षा समिति/मंडल/शेयरधारकों द्वारा मंजूर की गई विद्यमान सीमा के 25% की विसंगति हो।

#### **“Material Modifications”**

Material modification of Related Party Transaction in relation to Company means and include any modification to an existing related party transaction having variance of 25% of the existing limit as sanctioned by the Audit Committee/ Board /Shareholders, as the case may be.

“कारोबार का सामान्य क्रम” में सभी सामान्य संव्यवहार, कंपनी तथा/ या उसके कारोबारी क्रम की प्रथाएं और पद्धतियाँ सम्मिलित होंगे।

“**Ordinary Course of Business**” shall cover all the usual transactions, customs and practices of the company and / or its line of business.

“नीति” से तात्पर्य कंपनी से संबद्ध पक्षकार संव्यवहार नीति से है।

“Policy” means Related Party Transaction Policy of the Company.

“संबद्ध पक्षकार” से तात्पर्य एक ऐसे व्यक्ति या स्वत्व से है –

“Related Party” means a person or an entity:

(A) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(76) के अधीन “संबद्ध पक्षकार” है

“Related party” under section 2(76) of the Companies Act, 2013

कंपनी के संदर्भ में “संबंधित पक्षकार” का अर्थ है-

“Related Party” with reference to a Company, means:

i) एक निदेशक या उनके संबंधी;

a director or his relative;

ii) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके संबंधी;

a key managerial personnel or his relative;

iii) फर्म जिसमें एक निदेशक, प्रबंधक या उनके संबंधी सहयोगी हैं;

- a firm, in which a director, manager or his relative is a partner;
- iv) एक निजी कंपनी जिसमें एक निदेशक या प्रबंधक या उनके संबंधी सदस्य या निदेशक हैं;  
 a private company in which a director or manager or his relative is a member or director;
- v) कोई कार्पोरेट निकाय जिसके निदेशक मंडल, प्रबंध निदेशक या प्रबंधक, किसी निदेशक या प्रबंधक के परामर्श, निदेशों या अनुदेशों के अनुसार कार्य किया जाता है;  
 a public company in which a director or manager is a director and holds along with his relatives, more than two percent of its paid-up share capital;
- vi) कोई कार्पोरेट निकाय जिसके निदेशक मंडल, प्रबंध निदेशक या प्रबंधक, किसी निदेशक या प्रबंधक के परामर्श, निदेशों या अनुदेशों के अनुसार कार्य किया जाता है;  
 any body corporate whose board of directors, managing director or manager is accustomed to act in accordance with the advice, directions or instructions of a director or manager;
- vii) कोई भी व्यक्ति जिसके परामर्श, निदेश या अनुदेश पर, किसी निदेशक या प्रबंधक द्वारा सामान्यतः कार्य किया जाता है -  
 any person on whose advice, directions or instructions a director or manager is accustomed to act:  
 बशर्ते कि उपर्युक्त सं. (vi) तथा (vii) में उल्लिखित किसी भी विषय के संबंध में व्यावसायिक कौशल में दिए गए परामर्श, निदेश या अनुदेश पर प्रयोज्य नहीं होगा;  
 Provided that nothing in (vi) and (vii) above shall apply to the advice, directions or instructions given in a professional capacity;
- viii) कोई कंपनी जो-  
 any company which is-
- a) उक्त कंपनी के धारक, सहायक या सहसंबद्ध कंपनी हो; या  
 a holding, subsidiary or an associate company of such company; or
  - b) धारक कंपनी की सहायक कंपनी जिसकी वह भी सहायक कंपनी है;  
 a subsidiary of a holding company to which it is also a subsidiary;
  - c) कंपनी में निवेश करने वाली कंपनी या कंपनी का उद्यमी,  
 an investing company or the venturer of the company;

**स्पष्टीकरण-** इस खंड के प्रयोजनार्थ, "कंपनी में निवेश करने वाले कंपनी या उद्यम लगाने वाले" से आशय ऐसे निकाय कार्पोरेट से है जिसका कंपनी में निवेश करने से कंपनी निकाय कार्पोरेट की सहायक कंपनी बन जाएगी।  
**Explanation:** For the purpose of this clause, “the investing company or the venturer of a company” means a body corporate whose investment in the company would result in the company becoming an associate company of the body corporate.

(ix) धारक कंपनी के निदेशक (एक स्वतंत्र निदेशक के अलावा) या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके संबंधी सहयोगी संबंधित पक्षकार समझा जाएगा।  
 Director (other than an independent director) or Key Managerial Personnel of the holding company or his relative with reference to a company, shall be deemed to be a Related Party.

(B) इंड-एएस 24 के अनुवर्तन में "संबंधित पक्षकार", से तात्पर्य कोई व्यक्ति या स्वत्व से है, जो वित्तीय विवरण तैयार किए जाने वाले स्वत्व भी हैं ("रिपोर्टिंग स्वत्व" का उल्लेख देखें)।

**"Related Party"** in pursuance of Ind-AS 24, is a person or entity that is related to the entity that is preparing its financial statements (referred to as the 'reporting entity').

a) रिपोर्टिंग स्वत्व से संबंधित व्यक्ति या उस व्यक्ति का करीबी परिवारिक सदस्य, जिसका यदि- A person or a close member of that person's family is related to a reporting entity if that person:

- i) रिपोर्टिंग स्वत्व का नियंत्रण या संयुक्त नियंत्रण है; has control or joint control of the reporting entity;
- ii) रिपोर्टिंग स्वत्व पर महत्वपूर्ण प्रभाव है; या has significant influence over the reporting entity; or
- iii) रिपोर्टिंग स्वत्व के मुख्य प्रबंधन कर्मिकों के सदस्य या रिपोर्टिंग स्वत्व के माता-पिता हैं is a member of the key management personnel of the reporting entity or of a parent of the reporting entity.

b) यदि स्वत्व रिपोर्टिंग स्वत्व से संबंद्ध है, तो क्या निम्न में से कोई भी शर्त प्रायोज्य होती है- An entity is related to a reporting entity if any of the following conditions applies:

i) स्वत्व तथा रिपोर्टिंग स्वत्व दोनों एक ही समूह के हैं (अर्थात् प्रत्येक मूल, सहायक एवं सहयोगी सहायक स्वत्व परस्पर संबंद्ध हैं)

The entity and the reporting entity are members of the same group (which means that each parent, subsidiary and fellow subsidiary is related to the others).

ii) एक स्वत्व, दूसरे स्वत्व के सहयोगी या संयुक्त उद्यम के सदस्य हैं (या एक समूह के सहयोगी संयुक्त उद्यमी है, जिनका स्वत्व सदस्य है)

One entity is an associate or joint venture of the other entity (or an associate or joint venture of a member of a group of which the other entity is a member).

iii) दोनों स्वत्व तृतीय पक्षकार के संयुक्त उद्यमी हैं।

Both entities are joint ventures of the same third party.

iv) एक स्वत्व तृतीय पक्षकार के संयुक्त उद्यमी है तथा दूसरा तृतीय पक्षकार के सहयोगी हैं।

One entity is a joint venture of a third entity and the other entity is an associate of the third entity.

v) स्वत्व, या तो रिपोर्टिंग स्वत्व या उनके संबंधी के पश्च-रोज़गार लाभ योजना के लाभार्थी है। यदि रिपोर्टिंग स्वत्व को ऐसी किसी भी योजना का लाभ मिलता है तो प्रायोजक नियोक्ता भी रिपोर्टिंग स्वत्व से संबंद्ध होंगे।

The entity is a post-employment benefit plan for the benefit of employees of either the reporting entity or an entity related to the reporting entity. If the reporting entity is itself such a plan, the sponsoring employers are also related to the reporting entity.

vi) (क) में विनिर्धारित व्यक्ति द्वारा स्वत्व नियंत्रित या संयुक्त रूप से नियंत्रित है।

The entity is controlled or jointly controlled by a person identified in (a).

vii) (क)(i) में विनिर्धारित व्यक्ति का स्वत्व पर प्रभाव है या स्वत्व के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक का सदस्य है (या स्वत्व के माता-पिता हैं)

A person identified in (a)(i) has significant influence over the entity or is a member of the key management personnel of the entity (or of a parent of the entity).

viii) स्वत्व या उस समूह का कोई भी सदस्य जो स्वत्व का भाग हो, जो रिपोर्टिंग स्वत्व या उनके माता-पिता को प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों की सेवाएं प्रदान कराता हो।

The entity, or any member of a group of which it is a part, provides key management personnel services to the reporting entity or to the parent of the reporting entity

**(C) "सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 (यथा संशोधित) के अनुसरण में" संबंधित पक्षकार"**

**"Related Party" in pursuance to SEBI (LODR) Regulations, 2015 (as amended)**

"संबंधित पक्षकार" से आशय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 की उप-धारा (76) के तहत या लागू लेखा मानकों के तहत यथा परिभाषित संबंधित पक्षकार से है।

"Related Party" means a related party as defined under sub-section (76) of section 2 of the Companies Act, 2013 or under the applicable accounting standards.

बशर्ते कि - / Provided that:

- a) सूचीबद्ध स्वत्व के प्रवर्तक या प्रवर्तक समूह का भाग बनने वाले कोई व्यक्ति या स्वत्व, या any person or entity forming part of the promoter or promoter group of the listed entity; or
  - b) कोई व्यक्ति या स्वत्व, जिसके पास कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 89 के तहत पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी समय, प्रत्यक्ष रूप से या हितकारी हित के आधार पर सूचीबद्ध स्वत्व में दस प्रतिशत या उससे अधिक इक्विटी शेयर हैं, को संबंधित पक्षकार माना जाएगा,
- any person or entity, holding equity shares of ten percent or more in the listed entity either directly or on a beneficial interest basis as provided under section 89 of the Companies Act, 2013, at any time, during the immediate preceding financial year shall be deemed to be a related party;

**"संबद्ध पक्षकार के लेनदेन" "Related Party Transactions"**

**(A) कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत / Under the Companies Act, 2013**

निम्नलिखित के संबंध में कंपनी और संबंधित पक्षकार के बीच किसी भी ठेके या व्यवस्था को संबंधित पक्षकार लेनदेन (आर. पी. टी.) माना जाएगा -

Any contract or arrangement between the Company and Related Party with respect to the following shall be considered as a Related Party Transactions (RPTs):

- i) किसी वस्तु या सामग्रियों के विक्रय, क्रय या आपूर्ति;  
sale, purchase or supply of any goods or materials;
- ii) किसी भी प्रकार की संपत्ति का विक्रय या अन्यथा निपटारा या क्रय;  
selling or otherwise disposing of, or buying, property of any kind;
- iii) किसी भी प्रकार की संपत्ति को पट्टे पर देना या लेना;  
leasing of property of any kind;
- iv) किसी भी प्रकार की सेवा प्राप्त करना या प्रदान करना;  
availing or rendering of any services;

- v) वस्तु, सामग्रियों, सेवाओं या संपत्ति के क्रय या विक्रय हेतु किसी अभिकर्ता की नियुक्ति;  
appointment of any agent for purchase or sale of goods, materials, services or property;
- vi) कंपनी, सहायक कंपनी या सहयोगी कंपनी के किसी कार्यालय या लाभदायक पद पर किसी संबद्ध पक्षकार की नियुक्ति; तथा  
such related party's appointment to any office or place of profit in the company, its subsidiary company or associate company; and
- vii) कंपनी की किसी प्रतिभूति या उससे व्युत्पन्न किसी भी राशि का आर्थिक दायित्व:  
Underwriting the subscription of any securities or derivatives thereof of the Company.

**स्पष्टीकरण-** "संबद्ध पक्षकार के साथ संव्यवहार में यह माना जाएगा कि संविदा में एकल संव्यवहार या सामूहिक संव्यवहार सम्मिलित है।"

Explanation "A transaction with a related party shall be construed to include single transaction or a group of transactions in a contract."

#### **(B) सूचीकरण विनियमों के अनुसार / As per Listing Regulations**

"संबंधित पक्षकार लेनदेन" से आशय ऐसे लेनदेन से है जिसमें निम्नलिखित के बीच संसाधनों, सेवाओं या दायित्वों का अंतरण शामिल है।"

A "Related Party Transaction" means a transaction involving a transfer of resources, services or obligations between:

- i) एक और सूचीबद्ध स्वत्व या उसकी कोई सहायक कंपनी और दूसरी ओर सूचीबद्ध स्वत्व या उसकी किसी सहायक कंपनी से संबंधित पक्षकार, या  
A listed entity or any of its subsidiaries on one hand and a related party of the listed entity or any of its subsidiaries on the other hand; or
- ii) एक तरफ कोई सूचीबद्ध स्वत्व या उसकी कोई सहायक कंपनी और दूसरी तरफ कोई अन्य व्यक्ति या स्वत्व जिसका उद्देश्य और प्रभाव 1 अप्रैल, 2023 से सूचीबद्ध स्वत्व या उसकी किसी सहायक कंपनी के किसी संबंधित पक्षकार को लाभान्वित करना है, चाहे कीमत प्रभारित हो या न हो और किसी संबंधित पक्षकार के साथ "लेनदेन" का अर्थ इस प्रकार लगाया जाएगा कि उसमें ठेके में एकल लेनदेन या लेनदेन का समूह शामिल होगा।  
A listed entity or any of its subsidiaries on one hand, and any other person or entity on the other hand, the purpose and effect of which is to benefit a related party of the listed entity or any of its subsidiaries, with effect from April 1, 2023; regardless of whether a price is charged and a "transaction" with a related party shall be construed to include a single transaction or a group of transactions in a contract.

बशर्ते कि निम्नलिखित संबंधित पक्षकार लेनदेन न हो -

Provided that the following shall not be a related party transaction:

- a) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (पूँजी एवं प्रकटीकरण अपेक्षाओं का निर्गम) विनियम, 2018 की अपेक्षाओं के अनुपालन के अधीन रहते हुए अधिमानी आधार पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को जारी करना,  
the issue of specified securities on a preferential basis, subject to compliance of the requirements under the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018;
- b) निम्नलिखित कार्यों का जो सभी शेयरधारकों को उनकी शेयरधारिता के अनुपात में समान रूप से लागू/प्रस्तावित हैं -

the following corporate actions which are uniformly applicable/offered to all shareholders in proportion to their shareholding:

- i) लाभांश का भुगतान, / payment of dividend;
  - ii) प्रतिभूतियों का उप खंड या समेकन,  
subdivision or consolidation of securities;
  - iii) राइट्स इश्यू या बोनस इश्यू के माध्यम से प्रतिभूतियों को जारी करना तथा  
issuance of securities by way of a rights issue or a bonus issue; and
  - iv) प्रतिभूतियों का पुनर्खरीद  
buy-back of securities.
- c) सभी शेयरधारकों/जनता पर समान रूप से लागू/प्रस्तावित शर्तों पर बैंकों/गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों द्वारा सावधि जमा स्वीकार करना, बशर्ते कि मंडल द्वारा निर्दिष्ट प्रारूप में प्रत्येक छह महीनों में स्टॉक एक्सचेंज को संबंधित पक्षकार लेनदेन के प्रकटीकरण के साथ-साथ इसका प्रकटन किया जाए।  
acceptance of fixed deposits by banks/Non-Banking Finance Companies at the terms uniformly applicable/offered to all shareholders/public, subject to disclosure of the same along with the disclosure of related party transactions every six months to the stock exchange(s), in the format as specified by the Board;
- d) समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक या संबंधित अधिकार क्षेत्र के किसी अन्य केंद्रीय बैंक द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन करते हुए बैंकों द्वारा चालू खाता जमा और बचत खाता में जमा स्वीकार करना –  
acceptance of current account deposits and saving account deposits by banks in compliance with the directions issued by the Reserve Bank of India or any other central bank in the relevant jurisdiction from time to time:

स्पष्टीकरण- उपर्युक्त खंड (सी) और (डी) के प्रयोजनार्थ, जमा की स्वीकृति में उस पर ब्याज का भुगतान शामिल है।

Explanation: For the purpose of clauses (c) and (d) above, acceptance of deposits includes payment of interest thereon.

- e) कारोबारी संबंध स्थापित किए बिना और ऐसी शर्तों पर जो सभी कर्मचारियों और निदेशकों पर समान रूप से लागू/प्रस्तुत की गई हैं, किसी सूचीबद्ध स्वत्व या उसकी सहायक कंपनी से उसके निदेशकों या उसके कर्मचारियों द्वारा की गई खुदरा खरीद –  
retail purchases from any listed entity or its subsidiary by its directors or its employees, without establishing a business relationship and at the terms which are uniformly applicable/offered to all employees and directors:

बशर्ते कि यह परिभाषा ऐसे म्युचुअल फंडों द्वारा जारी यूनिटों पर लागू नहीं होगी जो मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं,

Provided further that this definition shall not be applicable for the units issued by mutual funds which are listed on a recognised stock exchange(s);

"संबंधी" – अधिनियम की धारा 2(77) के अनुवर्तन में किसी व्यक्ति के संदर्भ में संबंधी से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो एक-दूसरे व्यक्ति से संबंध रखता है, यदि –

**"Relatives"**: "Relative", with reference to any person, in pursuance of Section 2 (77) of the Act, means anyone who is related to another, if—

- (i) वे हिन्दू अविभाजित परिवार के सदस्य हैं;

- they are members of a Hindu Undivided Family;
- (ii) वे पति और पत्नी हैं; या  
they are husband and wife; or
- (iii) एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का संबंधी है  
one person is related to the other person

उपर्युक्त (iii) के प्रयोजनार्थ, एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का संबंधी तभी माना जाएगा जब वह निम्नलिखित प्रकार से दूसरे व्यक्ति से संबंध रखता हो जैसे-

For the purpose of (iii) above, one person shall deem to be the relative of another, if he or she is related to another person in the following manner namely:

- (a) पिता (सौतेले पिता सहित) / Father (including step-father)
- (b) माता (सौतेली माता सहित) / Mother (including step-mother)
- (c) पुत्र (सौतेले पुत्र सहित) / Son (including step-son)
- (d) पुत्र की पत्नी / Son's wife
- (e) पुत्री / Daughter
- (f) पुत्री का पति / Daughter's husband
- (g) भाई (सौतेले भाई सहित) / Brother (including step-brother)
- (h) बहन (सौतेली बहन सहित) / Sister (including step-sister)

“सेबी सूचीकरण विनियम” से तात्पर्य भारतीय सुरक्षा और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015, के अधीन विनिर्धारित किसी भी संशोधन, सुधार, परिपत्र, स्पष्टीकरण से होंगे।

**“SEBI Listing Regulations”** means Security and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 including modifications, amendments, Circulars, clarifications thereto.

## 5. नीति / POLICY

### 5.1. संबद्ध पक्षकार के संभावित संव्यवहार की पहचान

#### Identification of potential Related Party Transactions

##### 5.1.1. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड समूह की कंपनियाँ-

#### Bharat Electronics Limited Group Companies:

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड समूह की सभी कंपनियों (यानी बीईएल की सहायक कंपनियाँ, संयुक्त उद्यम कंपनियाँ और एसोसिएट कंपनियाँ) को संबद्ध पक्षकार माना जाएगा।

All the companies in Bharat Electronics Limited Group (i.e. the Subsidiaries, Joint Venture Companies and Associate companies of BEL) will be considered as Related Parties.

##### 5.1.2. प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक तथा उनसे जुड़े संबद्ध पक्षकार-

#### Key Managerial Personnel and connected Related Parties:

प्रत्येक निदेशक और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) मंडल को अपने रिश्तेदारों के नाम, ऐसी फर्मों/कंपनियों/ कापरेट निकायों के नाम जिनमें वे हिताधिकारी हैं, प्रकट करेंगे। मंडल हित प्रकटण का अभिलेख रखेगा। कंपनी सचिव संबंधित पक्षकारों की अद्यतन सूची को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होगा। कंपनी सचिव, निदेशकों/केएमपी द्वारा किए गए प्रकटनों के विवरण के अनुसार ईआरपी प्रणाली (एसएपी) में आवश्यक विवरण यथाशीघ्र अद्यतन करेंगे। इसके अलावा, संबंधित पक्षकारों की वर्तमान सूची और संबंधित तिमाही के दौरान किए गए परिवर्तनों को दर्शने वाली एक तिमाही रिपोर्ट कंपनी सचिव द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंतिम सप्ताह तक कापरेट वित्त को प्रस्तुत की जाएगी।

Each Director and Key Managerial Personnel (KMP) shall disclose to the Board, the names of his / her relatives and the names of the firms / companies / body corporates in which he /she is interested. The Board shall record the disclosure of Interest. The Company Secretary shall be responsible for maintaining the updated list of Related Parties. The Company Secretary shall, at the earliest, Update the necessary details in ERP system (SAP) as per the details of disclosures made by the Directors / KMPs. In addition, a quarterly report indicating the current list of Related Parties and changes made during the relevant quarter shall be submitted by Company Secretary to corporate finance by last week of each quarter.

- 5.1.3. कंपनी संबंधित पक्षकारों के साथ संभावित लेन देन की पहचान करेगी। इस संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार को निम्न रूप से श्रेणीकृत किया जाएगा क) पूर्व अनुमोदन ख) वित्त विभाग के परामर्श के साथ निम्न वर्णित पैरा 5.2 के मापदण्ड के आधार पर बहुप्रयोजनीय अनुमोदन।

The Company will identify the potential transactions with the Related Parties. These Related Party Transactions will be categorized as those requiring (a) prior approval and (b) omnibus approval based on the criteria laid down in Para 5.2 below in consultation with finance.

- 5.1.4. कार्पोरेट वित्त संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार का ब्यौरे लेखापरीक्षा समिति और मंडल अर्थात् लेखा-परीक्षा समिति/ निदेशक मंडल/ शेयरधारकों को अनुमोदन के लिए तिमाही आधार पर प्राप्त करेगा और उन्हें कंपनी सचिव को अग्रेषित करेंगे।

Corporate Finance will obtain and forward to the Company Secretary, the details of related party transactions to be placed before the Audit Committee/Board duly indicating the appropriate authority for granting approval, namely, Audit Committee / Board of Directors / Shareholders.

## 5.2. संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार का अनुमोदन और समीक्षा

### Approval and Review of Related Party Transactions

#### I) लेखापरीक्षा समिति / Audit Committee:

संबद्ध पक्षकार के सभी लेनदेन (अनुवर्ती संशोधन, यदि कोई हो, सहित) सामान्य रूप से लेखापरीक्षा समिति के पूर्व अनुमोदन से किए जाएँगे। ऐसी आरपीटी पर मामला आधार पर कार्यवाही की जाएगी, जिस पर पूर्ण औचित्य और सभी प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

All Related Party Transactions (including material modifications, if any) shall be entered into with prior approval of the Audit Committee. Such RPTs will be processed on case by case basis duly furnishing full justification and all relevant information.

#### 5.2.1 अनुमोदन प्राप्त करते समय लेखापरीक्षा समिति को किए जाने वाले प्रकटनों का विस्तार और ढंग -

#### Extent and manner of disclosures to be made to the Audit Committee at the time of seeking approval:

- a) यूनिट का नाम,

Name of the Unit,

- b) संबंधित पक्षकार का नाम और सूचीबद्ध स्वत्व या उसकी सहायक कंपनी के साथ उसका संबंध जिसमें उसके स्वत्व या हित (वित्त या अन्यथा) का स्वरूप शामिल हो,

Name of the Related Party, and its relationship with the listed entity or its subsidiary including nature of its concern or interest (finance or otherwise),

- c) लेनदेन की प्रकृति और अवधि निर्दिष्ट की जाएगी,

Nature & Duration of Transaction shall be specified,

- d) प्रस्तावित लेनदेन का प्रकार, महत्वपूर्ण निबंधन और विवरण,  
Type, material terms and particulars of the proposed transaction,
- e) प्रस्तावित लेनदेन का मूल्य।  
Value of the proposed Transaction.
- f) सांकेतिक आधार मूल्य या वर्तमान अनुबंधित मूल्य और कीमत में विभिन्नता का सूत्र, यदि कोई हो।  
the indicative base price or current contracted price and the formula for variation in the price, if any,
- g) कीमत निर्धारण के आधार, चाहे वह स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर हो और कारोबार के सामान्य क्रम में हो,  
Basis of Price Determination, Whether at Arm's Length basis and in the ordinary course of business,
- h) पिछले वित्तीय वर्ष के लिए, जिसे प्रस्तावित लेनदेन के मूल्य द्वारा दर्शाया गया है और एक सहायक कंपनी को शामिल करने वाले आरपीटी के लिए, एकल आधार पर सहायक कंपनी के वार्षिक कारोबार के आधार पर परिकलित ऐसा प्रतिशत अतिरिक्त रूप से प्रदान किया जाएगा,  
The percentage of the listed entity's annual consolidated turnover, for the immediately preceding financial year, that is represented by the value of the proposed transaction and for a RPT involving a subsidiary, such percentage calculated on the basis of the subsidiary's annual turnover on a standalone basis shall be additionally provided,
- i) यदि लेनदेन सूचीबद्ध स्वत्व या उसकी सहायक कंपनी द्वारा दिए गए या किसी उधार, अंतर-कापोरेट जमा, अग्रिम या निवेश से संबंधित है –  
If the transaction relates to any loans, inter-corporate deposits, advances or investment made or given by the listed entity or its subsidiary:
- i. यानी प्रस्तावित लेनदेन के संबंध में निधि के स्रोत का विवरण।  
details of the source of funds in connection with the proposed transaction.
  - ii. जहां ऋण देने या देने, अंतर-कापोरेट जमा, अग्रिम या निवेश करने के लिए कोई वित्तीय ऋणग्रस्तता पैदा होती है।  
where any financial indebtedness is incurred to make or give loans, inter-corporate deposits, advances or investments,
    - ऋणग्रस्तता की प्रकृति / Nature of indebtedness
    - निधियों की लागत और / Cost of funds and
    - अवधि / tenure
  - iii. संविदाओं, अवधि, ब्याज दर और पुनर्भुगतान अनुसूची सहित लागू होने वाले निबंधन, चाहे वे सुरक्षित हों या असुरक्षित, यदि सुरक्षित हों, सुरक्षा की प्रकृति,  
Applicable terms, including covenants, tenure, interest rate and repayment schedule, whether secured or unsecured; if secured, the nature of security;
  - iv. वह उद्देश्य जिसके लिए निधि का उपयोग आरपीटी के अनुसार ऐसे निधियों के अंतिम लाभार्थी द्वारा किया जाएगा।  
the purpose for which the funds will be utilized by the ultimate beneficiary of such funds pursuant to the RPT,

- j) आरपीटी सूचीबद्ध स्वत्व के हित में क्यों है इस बात का औचित्य स्थापन,  
Justification as to why the RPT is in the interest of the listed entity,
- k) स्वैच्छिक आधार पर प्रति-पक्षकार के वार्षिक समेकित कारोबार का प्रतिशत जिसका प्रतिनिधित्व प्रस्तावित आरपीटी के मूल्य द्वारा किया जाता है।  
Percentage of the counter-party's annual consolidated turnover that is represented by the value of the proposed RPT on a voluntary basis,
- l) मूल्यांकन या अन्य बाहरी पक्षकार की रिपोर्ट की प्रति, यदि ऐसी किसी रिपोर्ट पर भरोसा किया गया है,  
A copy of the valuation or other external party report, if any such report has been relied upon,
- m) प्रस्तावित लेनदेन पर निर्णय लेने के लिए लेखापरीक्षा समिति के लिए प्रासंगिक या महत्वपूर्ण कोई अन्य सूचना।  
any other information relevant or important for the Audit Committee to take a decision on the proposed transactions.

### **5.2.2 सर्वव्यापी अनुमोदन / Omnibus Approval**

लेखापरीक्षा समिति नीचे निर्दिष्ट मानदण्डों के अनुसार और सेबी (एलओडीआर) विनियमों के विनियम 23 और कंपनी (मंडल की बैठक और उसकी शक्तियाँ) नियमों के नियम 6ए में समाविष्ट अन्य शर्तों के अनुपालन के अधीन रहते हुए बीईएल और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा किए जाने वाले संबंधित पक्षकार लेनदेन के लिए सर्वव्यापी अनुमोदन प्रदान कर सकती है।

Audit Committee may grant omnibus approval for Related Party Transactions likely to be entered into by BEL and its Subsidiaries as per the Criteria specified below and subject to compliance with other conditions contained in Regulation 23 of SEBI (LODR) Regulations and Rule 6A of Companies (Meetings of Board and its Powers) Rules including the amendments thereto.

**बहुप्रयोजनीय अनुमोदन के अनुपालन के मानदण्ड-**

Criteria for granting the omnibus approval:

- a) एक वित्त वर्ष में बहुप्रयोजनीय मार्ग द्वारा अनुमति प्रदान करने योग्य संव्यवहार का अधिकतम मूल्य, समग्र में;  
Maximum value of the transactions, in aggregate, which can be allowed under the omnibus route in a financial year;
  - i) माल और सेवाओं की बिक्री के मामले में- ₹1000 करोड़ तक  
In case of Sale of Goods & Services: Upto Rs 1,000 Crore
  - ii) माल और सेवाओं की खरीद के मामले में- ₹500 करोड़ तक  
In case of Purchase of Goods & Services: Upto Rs 1,000 Crore
- b) एक वर्ष में बहुप्रयोजनीय मार्ग द्वारा अनुमति देने योग्य प्रति संव्यवहार का अधिकतम मूल्य-  
The maximum value per transaction which can be allowed under omnibus route in a year:
  - i) माल और सेवाओं की बिक्री की मामले में- सीपीएसयू के मामले में ₹400 करोड़ तथा अन्य पक्षकारों के मामले में ₹200 करोड़।  
In case of Sale of Goods & Services: Upto Rs400 Crore in case of CPSUs and Rs200 Crore in case of other parties.

- ii) माल और सेवाओं की खरीद की स्थिति में- सीपीएसयू के मामले में रु. 400 करोड़ तथा अन्य पक्षकार के मामले में रु.200 करोड़।  
In case of Purchase of Goods & Services: Upto Rs 400 Crore in case of CPSUs and Rs 200 Crore in case of other parties.
- c) जहां संबद्ध पक्षकार के अपेक्षित संव्यवहार नहीं देखा जा सकता या संबंध विवरण उपलब्ध नहीं है, तो लेखापरीक्षा समिति ऐसे संव्यवहार पर बहुप्रयोजनीय अनुमोदन और दान करेगी, जिसके प्रति संव्यवहार की राशि एक करोड़ रुपये से अधिक न हो।  
Where the need for related party transaction cannot be foreseen and aforesaid details are not available, audit committee may make omnibus approval for such transactions subject to their value not exceeding rupees one Crore per transaction.
- d) पुनरावृत्ति प्रकृति के संव्यवहार तथा ऐसा अनुमोदन को कंपनी के हित में समझे जाने पर, बहुप्रयोजनीय अनुमोदन की आवश्यकता पर लेखापरीक्षा समिति को स्वयं संतुष्ट होना चाहिए।  
The Audit Committee shall satisfy itself on the need for omnibus approval for transactions of repetitive nature and that such approval is in the interest of the Company.

प्रदत्त बहुप्रयोजनीय अनुमोदन अधिकतम एक वित्तीय वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा और अनुमोदन की अवधि समाप्त होने पर नया अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

The omnibus approval granted shall be valid for a period not exceeding a financial year and shall require fresh approval on the expiry of such financial year.

### **5.2.3 अन्य संव्यवहार / Other Transactions**

ऐसे संव्यवहार, जो लेखा-परीक्षा समिति द्वारा बहुप्रयोजन अनुमोदन की शर्तों के आधार पर नहीं होंगे-  
Transactions which cannot be subject to the omnibus approval by the Audit Committee:

- i. गैर-पुनरावृत्ति प्रकृति के संव्यवहार  
Transactions which are non-repetitive in nature
- ii. कंपनी के उपक्रम को बेचने या निपटाने संबंधी संव्यवहार  
Transactions in respect of selling and disposing of the undertaking of the company.
- iii. कोई स्वतंत्र संव्यवहार लेनदेन नहीं।  
Not an arm's length transaction.
- iv. कारोबार के सामान्य क्रम में नहीं।  
Not in ordinary course of business.
- v. समय-समय पर लगाए गए कोई अन्य वैधानिक प्रतिबंध।  
Any other statutory restrictions imposed from time to time.

**5.2.4 प्रत्येक अनुमोदन के अनुवर्तन में कंपनी द्वारा किए गए पक्षकार संव्यवहार के पुनरीक्षण की सांविधिक अवधि- तिमाही पुनरीक्षण।**

Periodicity of Review of related party transaction entered into by the Company and its subsidiaries pursuant to each of approval made: Quarterly Review.

प्रदत्त बहुप्रयोजनीय अनुमोदन के अनुवर्तन में कंपनी द्वारा किए गए पक्षकार संव्यवहार के पुनरीक्षण से संबंधित जानकारी लेखापरीक्षा समिति द्वारा दी जाएगी जो वास्तविक संबद्ध पक्षकार संव्यवहार से संगत हो।

To review a Related Party Transaction entered into by the Company and its subsidiaries in pursuant to the omnibus approval given, the Audit Committee shall be provided with the necessary information, to the extent relevant, with respect to actual Related Party Transactions.

5.2.5 लेखापरीक्षा समिति वार्षिक आधार पर दीर्घकालिक (एक वर्ष से अधिक) या आवर्ती आरपीटी की स्थिति की समीक्षा भी करेगी।

The audit committee shall also review the status of long-term (more than one year) or recurring RPTs on an annual basis.

5.2.6 अन्य कोई सूचना जो प्रासंगिक हो।

Any other information that may be relevant.

## II) निदेशक मंडल / Board of Directors

i. अधिनियम की धारा 188 के तहत विनिर्दिष्ट संबद्ध पक्षकार के सभी संव्यवहार (तथा उनके अनुवर्ती संशोधन, यदि कोई हों), मंडल की बैठकों में पारित संकल्पों के माध्यम से, निदेशक मंडल के पूर्व अनुमोदन की शर्त पर होंगे, जब तक कि ऐसे संव्यवहार –

All Related Party Transactions (and subsequent modifications, if any) specified under section 188 of the Act shall be subject to prior approval of the Board of Directors, by way of resolutions passed at Board Meetings, unless the transactions are entered into

- "कारोबार के सामान्य क्रम" में किए जाते हो एवं  
In the "Ordinary course of business" and
- स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर किए जाते हो।  
are conducted on Arm's length basis.

ii. इसके अतिरिक्त, यदि लेखापरीक्षा समिति यह निधारित करती है कि संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार को मंडल के समक्ष रखा जाना है या यदि किसी भी स्थिति में मंडल ऐसे मामले की समीक्षा करने का निर्णय लेती है अथवा किसी नियम के तहत संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार को अनुमोदित करना मंडल के लिए अनिवार्य होता है, तो मंडल ऐसे संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार (संव्यवहार) को अनुमोदन प्रदान करने पर विचार करेंगे।

In addition, if the Audit Committee determines that a Related Party Transaction should be brought before the Board, or if the Board in any case decides to review any such matter or it is mandatory under any law for Board to approve the Related Party Transaction, then the Board shall consider and approve such Related Party Transaction(s).

iii. संबंधित पक्षकारों की परिभाषा के तहत आने वाले निदेशक संबंधित पक्षकार के लेनदेन के प्रस्ताव को अनुमोदित करने के लिए मतदान नहीं करेंगे चाहे निदेशक किसी विशेष लेनदेन के पक्षकार हों या न हों। Director's falling under the definition of Related parties shall not vote to approve the relevant Related Party Transactions resolution irrespective of whether the director is a party to the particular transaction or not.

iv. कंपनी (मंडल की बैठकें एवं शक्तियाँ) नियम के नियम 15(1) तथा उसके किसी भी संशोधन के अनुवर्तन में, निदेशक मंडल की बैठक की कार्यसूची में संबद्ध पक्षकार संव्यवहार के अनुमोदन/ समीक्षा के संकल्प का प्रस्ताव किया जाता है, जिसमें निम्न बातें प्रकट की जाती हैं-

In pursuance of Rule 15 (1) of Companies (Meetings of Board and its Powers) Rules including the amendments thereto, the agenda of the Board meeting at which the resolution is proposed to approve /review a Related Party Transaction, shall disclose-

- a) संबद्ध पक्षकार के नाम तथा संबंध की प्रकृति;

- the name of the related party and nature of relationship;
- b) अनुबंध की प्रकृति व अवधि तथा अनुबंध या व्यवस्था के विवरण;  
the nature, duration of the contract and particulars of the contract or arrangement;
- c) मूल्य सहित अनुबंध या व्यवस्था के महत्वपूर्ण शर्तें, यदि कोई हो;  
the material terms of the contract or arrangement including the value, if any;
- d) मूल्य सहित अनुबंध या व्यवस्था के महत्वपूर्ण शर्तें, यदि कोई हो;  
any advance paid or received for the contract or arrangement, if any;
- e) मूल्य निर्धारण और अन्य वाणिज्यिक शर्तों के निर्धारण का प्रकार, जिन्हें संविदा का अंश माना गया है और नहीं माना गया है, दोनों को सम्मिलित करें।  
the manner of determining the pricing and other commercial terms, both included as part of contract and not considered as part of the contract;
- f) क्या अनुबंध से संबंधित प्रासंगिक सभी घटकों पर विचार किया गया है, यदि नहीं, तो उन कारकों पर विचार न करने के लिए तर्क के साथ विचार न किए जाने वाले घटकों के विवरण;  
एवं  
whether all factors relevant to the contract have been considered, if not, the details of factors not considered with the rationale for not considering those factors; and
- g) प्रस्तावित संव्यवहार पर निर्णय लेने हेतु बोर्ड के लिए संबंधित या महत्वपूर्ण कोई अन्य सूचना।  
any other information relevant or important for the Board to take a decision on the proposed transaction.

### **III) शेयरधारक / Shareholders:**

#### **a) कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन / Under the Companies Act, 2013**

अधिनियम की धारा 188 के तहत निर्दिष्ट संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार (तथा अनुवर्ती संशोधन, यदि कोई हो) के लिए एक विशेष संकल्प के माध्यम से शेयरधारकों से पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा (कारोबार के सामान्य क्रम तथा पारस्परिक संबंध आधार पर किए गए संव्यवहार के अलावा) यदि वे कंपनी (मंडल की बैठकें तथा उसकी शक्तियाँ), नियम, 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन विनिर्दिष्ट अधिकतम सीमा से परे होते हैं।

Prior approval of the Shareholders by way of a resolution shall be obtained for entering into Related Party Transactions (and subsequent modifications, if any) specified under section 188 of the Act (other than those entered into in the Ordinary Course of Business and on Arm's length basis) if they exceed the threshold limits specified under Section 188 (1) of the Act read with Companies (Meetings of Board and its Powers) Rules, 2014 (as amended) from time to time.

सरकार के अधिसूचना सं. जीएसआर 463 (ई) दिनांक 05.06.2015 अनुवर्तन में, कंपनी के साथ किसी अन्य सरकारी कंपनी द्वारा संव्यवहार के संबंध में कोई संकल्प पारित करने की आवश्यकता नहीं है।

In pursuance of the Govt. Notification No. GSR 463 (E) dated 05.06.2015, no resolution is required to be passed in respect of transaction entered into by the Company with another Government Company.

अधिनियम की धारा 188(1) के चौथे प्रावधान के अनुवर्तन में, जो धारक कंपनी तथा उसके संपूर्ण स्वामित्वाधीन सहयोगी कंपनी, जिनकी लेखा धारक कंपनी द्वारा समेकित की जाती है एवं सामान्य बैठक में

अनुमोदन के लिए शेयरधारकों के समक्ष रखी जाती है, उनसे संबंधित संव्यवहार के लिए किसी भी प्रकार का संकल्प पारित करने की आवश्यकता नहीं है।

In pursuance of fourth proviso to Section 188 (1) of the Act, no resolution is required to be passed in respect of transactions entered into between a holding company and its wholly owned subsidiary whose accounts are consolidated with such holding company and placed before the shareholders at the general meeting for approval.

कंपनियों (बोर्ड की बैठकें एवं शक्तियां) नियम, 2014 (यथा संशोधित) के नियम 15 के स्पष्टीकरण 3 के अनुवर्तन में, सामान्य बैठक की सूचना के साथ विस्तृत विवरण संलग्न किया जाना है, जिसमें निम्नलिखित विवरण सम्मिलित होंगे, नामतः -

In pursuance of Explanation 3 to Rule 15 of Companies (Meetings of Board and its Powers) Rules, 2014 (as amended), the explanatory statement to be annexed to the notice of a general meeting shall contain the following particulars, namely: -

- a) संबंधित पक्षकारों के नाम  
name of the related party
- b) संबंधित निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कर्मिकों के नाम, यदि कोई है;  
name of the director or key managerial personnel who is related, if any;
- c) संबंध की प्रकृति  
nature of relationship;
- d) संविदा या व्यवस्था की प्रकृति, महत्वपूर्ण शर्तें, मौद्रिक मूल्य और विवरण;  
Nature, material terms, monetary value and particulars of the contract or arrangement;
- e) प्रस्तावित लेनदेन सूचीबद्ध स्वत्व के हित में क्यों है, इस बात का औचित्य स्थापन,  
Justification for why the proposed transaction is in the interest of the listed entity;
- f) प्रति-पक्षकार के वार्षिक समेकित कारोबार का प्रतिशत जिसका प्रतिनिधित्व प्रस्तावित आर. पी. टी. के मूल्य द्वारा स्वैच्छिक आधार पर किया जाता है  
Percentage of the counter-party's annual consolidated turnover that is represented by the value of the proposed RPT, on a voluntary basis
- g) सूचीबद्ध स्वत्व के प्रबंधन द्वारा लेखापरीक्षा समिति को दी गई सूचना का सार-संक्षेप।  
A summary of the information provided by the management of listed entity to the audit committee.
- h) यदि लेनदेन इसकी सहायक कंपनी के सूचीबद्ध निकाय द्वारा दिए गए या दिए गए किसी ऋण, अंतर-कार्पोरेट जमा, अग्रिम या निवेश से संबंधित है, तो लेखापरीक्षा समिति को प्रदान किए गए विवरण शेयरधारकों को प्रस्तुत किए जाएंगे।  
Where the transaction relates to any loans, inter-corporate deposits, advances or investments made or given by the listed entity of its subsidiary, the details specified as provided to audit committee shall be submitted to Shareholders.

- i) इस बात का विवरण कि प्रस्तावित लेनदेन के संबंध में सूचीबद्ध स्वत्व द्वारा विश्वास किए मूल्यांकन या अन्य बाहरी रिपोर्ट, यदि कोई हो, शेयरधारकों के पंजीकृत ईमेल पते के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।  
A statement that the valuation or other external report, if any, relied upon by the listed entity in relation to the proposed transaction will be made available through the registered email address of the shareholders,
- j) प्रस्तावित संकल्प पर निर्णय हेतु सदस्यों के समक्ष कोई अन्य प्रासंगिक या महत्वपूर्ण सूचना। any other information relevant or important for the members to take a decision on the proposed resolution.

उपर्युक्त अधिकतम सीमाएँ वित्तीय वर्ष के दौरान वैयक्तिक रूप से या विगत संव्यवहार के साथ कृत संव्यवहार प्रयोज्य होंगी। उपरोक्त विनिर्दिष्ट कुल कारोबार का संगणन विगत वित्तीय वर्ष के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर किया जाएगा।

The above threshold limits shall apply to transaction or transactions to be entered into individually or taken together with previous transactions during a financial year. The Turnover above shall be computed on the basis of the Audited Financial Statements of the preceding financial year.

संबंधित पक्षकारों की परिभाषा के अधीन आने वाले सभी स्वत्व, संबद्ध पक्षकार संव्यवहार संकल्प के अनुमोदन के लिए मतदान से प्रविरत रहेंगे, भले ही वे विशेष संव्यवहार के पक्षकार हों या न हों।

All entities falling under the definition of Related parties shall not vote to approve the relevant Related Party Transactions resolution irrespective of whether the entity is a party to the particular transaction or not.

#### **b) सेबी (एल ओ डी आर) विनियम के अधीन / Under SEBI (LODR) Regulations**

विनियम 23 के अनुवर्तन में, पक्षकार से संबद्ध सभी महत्वपूर्ण संव्यवहार के लिए संकल्प द्वारा शेयरधाराकों के अनुमोदन की आवश्यकता है। हालाँकि, दो सार्वजनिक उपक्रमों और धारक एवं उसके संपूर्ण स्वामित्वाधीन सहयोगी कंपनियाँ (जिनकी लेखा धारक कंपनी द्वारा समेकित की जाती है एवं संव्यवहार के लिए शेयरधारकों के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है।

In pursuance of Regulation 23, all material related party transactions shall require approval of the shareholders through a resolution. However, transactions between two Public Sector Companies and those between a Holding Company and its wholly owned Subsidiary (whose accounts are consolidated with such holding company and placed before the shareholders at the general meeting for approval), shall not require approval of the shareholders.

संबंधित पक्षकारों की परिभाषा के अधीन आने वाले सभी स्वत्व, संबद्ध पक्षकार संव्यवहार संकल्प के अनुमोदन के लिए मतदान से प्रविरत रहेंगे, भले ही वे विशेष संव्यवहार के पक्षकार हों या हों।

All entities falling under the definition of Related parties shall not vote to approve the relevant Related Party Transactions resolution irrespective of whether the entity is a party to the particular transaction or not.

#### **6. संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार जो इस नीति के अधीन अनुमोदित नहीं हैं -**

#### **RELATED PARTY TRANSACTIONS NOT APPROVED UNDER THIS POLICY**

लेखापरीक्षा समिति के सदस्य, जो स्वतंत्र निदेशक हैं, लेनदेन की तारीख से तीन महीनों के भीतर या लेखापरीक्षा समिति की आसन्न अगली बैठक में, जो भी पहले हो, संबंधित पक्षकार लेनदेन का अनुसमर्थन कर सकते हैं, जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी -

The members of the audit committee, who are independent directors, may ratify related party transactions within three months from the date of the transaction or in the immediate next meeting of the audit committee, whichever is earlier, subject to the following conditions:

- i. यानी किसी वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित पक्षकार के साथ किए गए अनुसमर्थित लेनदेन का मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा, चाहे वह व्यक्तिगत रूप से किया गया हो या एक साथ किया गया हो, the value of the ratified transaction(s) with a related party, whether entered into individually or taken together, during a financial year shall not exceed rupees one Crore;
- ii. इस विनियम के उप-विनियम (1) के प्रावधानों के अनुसार लेनदेन महत्वपूर्ण नहीं है।  
The transaction is not material in terms of the provisions of sub-regulation (1) of this regulation;
- iii. संव्यवहार हेतु पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने की असमर्थता का औचित्य-स्थापन अनुसमर्थन मांगने के समय लेखापरीक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा;  
rationale for inability to seek prior approval for the transaction shall be placed before the audit committee at the time of seeking ratification;
- iv. इस विनियम के उप-विनियम (9) के प्रावधानों के अनुसार संबंधित पक्षकार लेनदेन के प्रकटण के साथ-साथ अनुसमर्थन के विवरण प्रकट किए जाएंगे,  
the details of ratification shall be disclosed along with the disclosures of related party transactions in terms of the provisions of sub-regulation (9) of this regulation;
- v. लेखापरीक्षा समिति द्वारा निर्दिष्ट कोई अन्य शर्त -  
any other condition as specified by the audit committee:

बशर्ते कि लेखापरीक्षा समिति का अनुसमर्थन प्राप्त न करने से ऐसा संव्यवहार लेखापरीक्षा समिति के विकल्प पर अमान्यकारी हो जाएगा और यदि संव्यवहार किसी निदेशक से संबंधित पक्षकार के साथ है या किसी अन्य निदेशक द्वारा प्राधिकृत किया गया है, तो संबंधित निदेशक सूचीबद्ध स्वत्व को होने वाली हानि के समक्ष क्षतिपूर्ति प्रदान करेंगे।

Provided that failure to seek ratification of the audit committee shall render the transaction voidable at the option of the audit committee and if the transaction is with a related party to any director, or is authorised by any other director, the director(s) concerned shall indemnify the listed entity against any loss incurred by it.

उप-विनियमों के प्रावधान निम्नलिखित मामलों में लागू नहीं होंगे -

The provisions of sub-regulations shall not be applicable in the following cases:

- a. दो सरकारी क्षेत्र की कंपनियों के बीच किए गए लेनदेन,  
transactions entered into between two public sector companies;
- b. धारक कंपनी और उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के बीच किए गए लेनदेन जिनके खाते ऐसे धारक कंपनी के साथ समेकित किए गए हैं और जिन्हें आम बैठक में अनुमोदन के लिए शेयरधारकों के समक्ष रखा गया है।  
transactions entered into between a holding company and its wholly owned subsidiary whose accounts are consolidated with such holding company and placed before the shareholders at the general meeting for approval.

c. सूचीबद्ध धारक कंपनी की दो पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के बीच किए गए लेनदेन जिनके खाते ऐसी धारक कंपनी के साथ समेकित किए गए हैं और जिन्हें आम बैठक में अनुमोदन के लिए शेयरधारकों के समक्ष रखा गया है।

transactions entered into between two wholly-owned subsidiaries of the listed holding company, whose accounts are consolidated with such holding company and placed before the shareholders at the general meeting for approval.

d. ऐसे लेनदेन जो एक ओर किसी स्वत्व और दूसरी ओर केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार या उनके किसी संयोजन के बीच किए गए सांविधिक देय राशि, सांविधिक शुल्क या सांविधिक प्रभारों के भुगतान की प्रकृति के हैं।

transactions which are in the nature of payment of statutory dues, statutory fees or statutory charges entered into between an entity on one hand and the Central Government or any State Government or any combination thereof on the other hand.

e. एक ओर सरकारी क्षेत्र की कंपनी और दूसरी ओर केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार या उनके किसी संयोजन के बीच किए गए लेनदेन।

transactions entered into between a public sector company on one hand and the Central Government or any State Government or any combination thereof on the other hand.

लेखापरीक्षा समिति संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार से संबंधित सभी संगत तथ्यों और परिस्थितियों का आंकलन करेगी और अनुसमर्थन, संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार के पुनरीक्षण या समापन सहित, कंपनी के पास उपलब्ध सभी विकल्पों का आंकलन करेगी। समिति मामले के तथ्यों और परिस्थितियों की जाँच कर सकती है और यथा उचित कार्रवाई कर सकती है।

The Audit Committee shall consider all of the relevant facts and circumstances regarding the Related Party Transaction, and shall evaluate all options available to the Company, including ratification, revision or termination of the Related Party Transaction. The Committee may examine the facts and circumstances of the case and take any such action it deems appropriate.

यदि ऐसे संव्यवहार का अनुमोदन, उपरोक्त तीन महीनों की विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर प्राप्त नहीं किया जाता है तो ऐसी संविदा या करार निदेशक मंडल के विवेकानुसार अवैध होगा और यदि ऐसी संविदा या करार किसी निदेशक के संबद्ध पक्षकार के साथ है, या किसी अन्य निदेशक द्वारा प्राधिकृत है तो संबंधित निदेशक कंपनी के किसी भी प्रकार के नष्ट की क्षतिपूर्ति की जाएगी।

If the approval of such transactions is not obtained within the above specified time limit of three months, such contract or arrangement shall be voidable at the option of the Board and if the contract or arrangement is with a related party to any director, or is authorized by any other director, the director/s concerned shall indemnify the company against any loss incurred by it.

इसके अलावा, अधिनियम की धारा 188 के प्रावधानों के विरुद्ध किसी भी संविदा या व्यवस्था करने वाले निदेशक या किसी अन्य कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की पहल करते हुए संविदा या करार के परिणामस्वरूप कंपनी को हुई हानि की वसूली करने का विस्तृत विकल्प कंपनी के पास होगा।

Also, it shall be open to the company to proceed against a director or any other employee who had entered into such contract or arrangement in contravention of the provisions of section 188 of the Act for recovery of any loss sustained by it as a result of such contract or arrangement.

कंपनी के निदेशक या कोई अन्य कर्मचारी जो अधिनियम की धारा 188 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए कोई संविदा या करार पर हस्ताक्षर करते हैं या उसे प्राधिकृत करते हैं, तो उन्हें अधिकतम एक वर्ष का कारावास या कम से कम पञ्चास हजार रुपए और अधिकतम पाँच लाख रुपए तक का दंड अथवा दोनों दंड दिए जाएंगे।

Any director or any other employee of a company, who had entered into or authorized the contract or arrangement in violation of the provisions of section 188 of the Act shall be punishable with

imprisonment for a term which may extend to one year or with fine which shall not be less than twenty-five thousand rupees but which may extend to five lakhs rupees, or with both.

## 7. प्रकटीकरण / DISCLOSURES

संबद्ध पक्षकार के सभी महत्वपूर्ण संव्यवहार के विवरण कार्पोरेट अभिशासन की अनुपालन रिपोर्ट के साथ-साथ तिमाही आधार पर स्टॉक एक्सचेंजों को प्रकट किए जाएँगे। मंडल द्वारा अनुमोदित प्रत्येक संविदा या करार को ऐसी संविदा या करार, उनके औचित्य के साथ मंडल की रिपोर्ट में शेयरधारकों के केसमक्ष प्रकट किया जाएगा। कंपनी संबद्ध पक्षकार के संव्यवहार संबंधी नीति अपनी वेबसाइट पर प्रकट करेगी और वार्षिक प्रतिवेदन में इसका वेब लिंक प्रदान किया जाएगा।

Details of all Material transactions with Related Parties shall be disclosed to stock exchanges quarterly along with the compliance report on corporate governance. Every Contract or Arrangement with a Related Party approved by the Board shall be disclosed in the Board's report to the shareholders along with the justification for entering into such Contract or Arrangement. The Company shall disclose the policy on dealing with Related Party Transactions on its website and web-link shall be provided in the Annual Report.

कंपनी समय-समय पर सेबी में निर्दिष्ट प्रारूप में समेकित आधार पर अपने अर्धवार्षिक एकल और समेकित वित्तीय परिणामों के प्रकाशन के दिन स्टॉक एक्सचेंजों को संबंधित पक्षकार लेनदेन का प्रकटन भी प्रस्तुत करेगी और उसे अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करेगी।

Company shall also submit on the day of publication of its Standalone and consolidated financial results for the half year, disclosure of related party transactions on a consolidated basis, in the format specified in the SEBI from time to time to the stock exchanges and publish the same on its website.

## 8. विधि में संशोधन / AMENDMENTS IN LAW

कंपनी निम्नतम तीन वर्ष में एक बार (संबंधित पक्षकारों के महत्व सम्मिलित करते हुए) इस नीति की आवधिक समीक्षा करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस नीति को कंपनी अधिनियम, 2013 तथा उसके अधीन नियमों, सूचीकरण करार तथा इस संबंध में अन्य किसी लागू विधि के तत्संबंधी प्रावधानों में किसी अनुवर्ती संशोधन/आशोधन का अनुपालन करने के लिए उचित रूप से संशोधित/अद्यतन किया जाता है। The Board of Director shall review this policy at least once in three years (including on materiality of Related parties) to ensure that the policy is suitably modified / updated to comply with any subsequent amendment / modification in the relevant provisions of the Companies Act, 2013, rules there under, Listing Regulations and any other applicable laws in this regard.

9. यह कार्यालय आदेश दिनांक 14.01.2020 के कार्यालय आदेश सं.प्र.क/069/003 (यथा संशोधित) को अधिक्रमित करता है।

This Office Order supersedes the earlier Office Order No. HO/069/003 dated 14.01.2020 (as amended)

मी. रामेश  
Dated 29.03.25

महाप्रबंधक (एच.आर.)

GENERAL MANAGER (HR)

मी. डी

ईडी / जीएम / सीटीओ / सीएस

EDs / GMs / CTOs / CS

यूनिट एचआर/ वित्त प्रमुख

UNIT HR / FINANCE HEADS

आरओ / एमसी प्रमुख

RO / MC HEADS

सीएमडी डी (ओ यू) डी (एफ) डी (एच आर) डी (मार्केटिंग) डी (सीबी) डी (आर एंड डी) सीवीओ  
CMD D(OU) D(F) D (HR) D(MKTG) D(BC) D(R&D) CVO